CHAPTER 18

जहाँ कोई वापसी नहीं

PAGE 139, प्रश्न और अभ्यास

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :1

अमझर से आप क्या समझते हैं ? अमझर गाँव में सूनापन क्यों है?

उत्तर- अमझर दो शब्दों से मिलकर बना है -आम तथा झरना । अर्थात वह स्थान जहाँ आम झरते हों अमझर कहलाता है। जबसे यह घोषणा हुयी है की अमरौली प्रोजेक्ट के कारन अमझर गावं को भी उजड़ा जायेगा तबसे अमझर गावं में सूनापन है क्योँकि आम ने फालना फूलना बंद कर दिया है।

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :2

आधुनिक भारत के 'नए शरणार्थी' किन्हें कहा गया है?

उत्तर- आधुनिक भारत के नए शरणार्थी उन्हें कहा जाता है जिनके गावों को आधुनिकता तथा विकास के नाम पर उजाड़ दिया गया है। भारत की प्रगति के लिए उन्हें अपने घर, खेत खलिहान इत्यादि का त्याग करना पड़ा।

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :3

प्रकृति के कारण विस्थापन और औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में क्या अंतर है?

उत्तर- प्रकृति के कारन विष्ठापन तब होता है जब कोई प्राकृतिक आपदा आती है जैसे बाढ़, भूकंप इत्यादि। प्राकृतिक आपदा के कारण विस्थापित हुए लोग पुनः अपने गावं तथा घर वापस आ जाते है। परन्तु औद्योगिकरण विष्ठापित हुए लोग अपने गावं तथा घर कभी वापस नहीं आ पाते है। यही अंतर है प्रकृति के कारन विस्थापन में तथा औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में।

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :4

यूरोप और भारत की पर्यावरणीय संबंधी चिंताएँ किस प्रकार भिन्न हैं?

उत्तर- यूरोप में लोग मानव तथा भूगोल के मध्य बढ़ रहे असंतुलन को लेकर चिंतित है। जबकि इसके विपरीत भारत में मानव तथा संस्कृति के मध्य समाप्त हो रहे सम्बन्ध के कारन चिंताए है। भारत में सस्कृति प्रयवरण से जुड़ी हुयी है।

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :5

लेखक के अनुसार स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रैजडी क्या है?

उत्तर- लेखक के अनुसार स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी यह थी की यहाँ की सरकार ने विकास के लिए औद्यागिककरण का रास्ता अपनाया जो की पश्चिमी देशो की नक़ल थी। इस कारन भारत में मनुष्यों तथा प्रकृति के बीच का परस्पर सम्बन्ध समाप्त हो गया। अगर हमने सही रास्ता चुना होता तो हमारे भारत का विकास भी होता और

मानव ततः प्रकृति के बीच का परस्पर सम्बन्ध भी बना रहता।

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :6

औद्योगीकरण ने पर्यावरण का संकट पैदा कर दिया है , क्यों और कैसे?

उत्तर- औद्योगीकरण के लिए सरकार ने उपजाऊ भूमि तथा वहां के परिवेश को नष्ट कर डाला । इसी करण वहां का पर्यावरण प्रभावित हुआ है। अतः औद्योगीकरण ने पर्यावरण का संकट पैदा कर दिया है।

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :7

क्या स्वच्छता अभियान की जरुरत गावं से ज्यादा शहरों में है ?(विस्थापित लोंगो,मजदूर बस्तियों,स्लुम्स क्षेत्रों,शहरों में बसी झुग्गी बस्तियों के सन्दर्भ में लिखिए।)

उत्तर- स्वच्छता अभियान की जरुरत हर जगह है। परन्तु झुग्गी झोपड़ियों इत्यादि में ज्यादा ध्यान देने की जरुरत है।

झुग्गी झपड़ियाँ हटाने से पहले उनमे रहने वाले लोंगो के लिए नए मकान बना देने चाहिए जिस से वे एक दिन के लिए बेघर न होने पाए। स्वच्छता अभियान को हर जगह कठोरता से पालन करना चाहिए।

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :8

निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) आदमी उजड़ेंगे तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगे?

(ख) प्रकृति और इतिहास के बीच यह गहरा अंतर है?

उत्तर-

(**क**) प्रकृति ने मनुष्यों का पालन पोषण किया है। अतः यदि मनुष्य उजड़ जाता है तो पेड़ पौधे भी जीवित नहीं रहेंगे क्योँकि मनुष्य की सभ्यता तथा विकास में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

(**ख**) प्रकृति और इतिहास के बीच का अंतर दोनों के स्वाभाव से स्पष्ट है। जब प्रकृति आपदा भेजती है, तो यह आदमी को फिर से जीने का मौका देता है। यह सर्वविदित है कि जब इतिहास सभ्यता को

जोड़ता है, तो उसके अवशेष केवल शेष रह जाते हैं। उनके फिर से बसने की उम्मीद खत्म हो जाती है।

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :9

निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए-

(क) आधुनिक शरणार्थी

(ख) औद्योगीकरण की अनिवार्यता

(ग) प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच आपसी संबंध

उत्तर-

(**क**) आधुनिक शरणार्थी उन्हें कहा जाता है जिनके गावों को आधुनिकता तथा विकास के नाम पर उजाड़ दिया गया है। भारत की प्रगति के लिए उन्हें अपने घर, खेत खलिहान इत्यादि का त्याग करना पड़ा।

(**ख**) हर कोई जानता है कि मानव के विकास के लिए औद्योगीकरण बहुत महत्वपूर्ण है। यह विकास को गति देता है, विकास के नए साधन प्रदान करता है। इसलिए विकास के लिए इसकी अनिवार्यता है।

(**ग**) सदियों से प्रकृति, मानव और संस्कृतियों के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति ने इंसान को पाला है। मानव के

विकास के साथ-साथ संस्कृति का विकास हुआ है। यदि इनमें से कोई भी एक कड़ी टूटती है तो हमें कोशिश करनी चाहिए कि किसी भी कारण से, उनके बीच के रिश्ते को टूटने न दें। क्योंकि ऐसा नहीं है कि किसी एक की हानि से सभी को नुकसान नहीं होगा। इससे किसी एक के जाने से तीनो को नुक्सान होगा।

PAGE 140

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास :10

निम्नलिखित पंक्तियों का भाव-सौंदर्य लिखिए-

(क) कभी-कभी किसी इलाके की संपदा ही उसका अभिशाप बन जाती है।

(ख) अतीत का समूचा मिथक संसार पोथियों में नहीं, इन रिश्तों की अदृश्य लिपि में मौजूद रहता था।

उत्तर-

(**क**) इस पंक्ति के माध्यम से कवी ने बहुत बड़ी बात कही है। वह कहना चाहते है की यदि कोई स्थान खनिज सम्पदा से भरा हुआ है तो यह उस स्थान के लिए वरदान नहीं

अभिशाप है। क्योँकि उसकी खनिज सम्पदा के दोहन के लिए उस स्थान को उजाड़ दिया जाता है।

(**ख**) इस पंक्ति के माध्यम से कवि निर्मल वर्मा जी ने भारतियों का प्रकृति के साथ सम्बन्ध बताया है। वह कहते है हम भारतियों को प्रकृति के साथ सम्बन्ध इस प्रकार अपने जीवन में रचा बस लिया है की हमे इसे शब्दों में लिखने आवश्यकता नहीं है।

भाषा शिल्प

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास - भाषा शिल्प :1

पाठ के संदर्भ में निम्नलिखित अभिव्यक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिएः मूक सत्याग्रह, पवित्र खुलापन, स्वच्छ मांसलता, औद्योगीकरण का चक्का, नाजुक संतुलन

उत्तर-

मूक सत्याग्रह - सत्य के लिए चुप रहकर शांति से विरोध करना।

पवित्र खुलापन - वह खुलापन जिसमे सम्बन्धो की पवित्रता को ध्यान में रखकर खुलकर बोलै जाए।

स्वच्छ मांसलता - ऐसा शारीरिक सौंदर्य तथा सौष्ठव जिसमें अश्लीलता के स्थान पर पवित्र भाव हो ।

औद्योगीकरण का चक्का - विकास और प्रगति के लिए किया गया तकनिकी से युक्त प्रयास ही औद्योगीकरण कहलाता है ।

नाज़ुक संतुलन :- दो लोंगो के मध्य ऐसा सम्बन्ध जो थोड़ा सा चोट लगने पर टूट सकता है।

12:1:18:प्रश्न और अभ्यास - भाषा शिल्प :2

इन मुहावरों पर ध्यान दीजिए-

मटियामेट होना, आफत टलना, न फटकना

उत्तर-

मटियामेट होना - इसका अर्थ है सबकुछ समाप्त होना - भाई भाई की लड़ाई में घर का सबकुछ मटियामेट हो गया ।

आफत टलना : मुसीबत चली जाना - भाई की सहायता से मेरी आफत टली।

न फटकना : पास ने आने देना या पास न जाना -उस गुंडे को मैंने अपने आस पास भी नहीं फटकने दिया ।